



युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
जनवरी, 2014 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

जनवरी मास का चार्ट:

लक्ष्य – साइलेन्स पॉवर से मन्सा सेवा।

वर्तमान समय प्रमाण साइलेन्स पॉवर का प्रयोग कर हमें अनेक दुःखी अशान्त, परेशान, भटकती हुई आत्माओं को सुख-शान्ति की अंचली देने वा प्रकृति के पांचों तत्वों को पावन बनाने के लिए अपना योगदान देना हैं। मन्सा सेवा द्वारा वायुमण्डल को परिवर्तन करने में सहयोगी बनना हैं। साइलेन्स पॉवर द्वारा स्वयं के कमजोर संस्कारों के विघ्न, दूषित वायुमण्डल के कारण आनेवाले विघ्न, सभी प्रकार के बंधन वा बाधायें समाप्त करना हैं।

हे साइलेन्स पॉवर से मन्सा सेवा करने वाली आत्माएं, अब स्वयं और संसार को सर्व विकारों और बंधनों से मुक्त कर मुक्तिधाम का गेट खोलें।

विधि :

| | |
|--------|---|
| सप्ताह | दिव्य दर्पण की धारणा |
| पहला | शुभ भावना सम्पन्न, शुभचिंतक वृत्ति द्वारा मन्सा सेवा |
| दूसरा | अपने पूज्य और पूर्वजपन की स्मृति द्वारा मन्सा सेवा |
| तीसरा | डबल लाइट फरिश्ता स्वरूप द्वारा मन्सा सेवा |
| चौथा | लाइट माइट सम्पन्न ज्वालामुखी स्थिति द्वारा मन्सा सेवा |

मास के 4 सप्ताह में यह पुरुषार्थ करना है। रात्र रात को अनुभव लिखना है।

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1. गुड मॉर्निंग - 3.30
2. अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में
3. व्यायाम/पैदल- हाँ जी
4. ट्रैफिक कंट्रोल- 5
5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7. स्वमान की स्मृति - बहुत अच्छी
8. नुमाशाम का योग- हाँ जी
9. मन्सा सेवा - 80%
10. गुड नाइट- रात्रि 9.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. कम बोलो, धीरे बोलो और मीठा बोलो।
2. 4 से 8 सुबह मन और मुख मौन रखेंगे।

❖ अभ्यास: कोई भी बात देखते, सुनते फुलस्टाप लगाना है। क्यों, क्या, कैसे... के प्रश्नों से पार रह प्रसन्नचित्त स्थिति में रहना है।

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंटस लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

❖ स्वमान:

| | |
|--|---|
| 1. मैं आत्मा शुभ चिन्तक मणी हूँ। | 16. मैं आत्मा डबल लाइट हूँ। |
| 2. मैं आत्मा पवित्र स्वरूप हूँ। | 17. मैं आत्मा शान्ति का फरिश्ता हूँ। |
| 3. मैं आत्मा प्रसन्नचित्त हूँ। | 18. मैं आत्मा साक्षी दृष्टा हूँ। |
| 4. मैं आत्मा सन्तुष्टमणी हूँ। | 19. मैं आत्मा प्रकृति की आकर्षण से परे हूँ। |
| 5. मैं आत्मा दुआएं देने और लेने वाली हूँ। | 20. मैं आत्मा निराकारी हूँ। |
| 6. मैं आत्मा सर्चलाइट हूँ। | 21. मैं आत्मा मास्टर ज्ञान सूर्य हूँ। |
| 7. मैं आत्मा रहमदिल हूँ। | 22. मैं आत्मा लाइट माइट हाउस हूँ। |
| 8. मैं आत्मा पूर्वज हूँ। | 23. मैं आत्मा परमधाम निवासी हूँ। |
| 9. मैं परम पवित्र पूज्य आत्मा हूँ। | 24. मैं आत्मा प्युरिटी से सम्पन्न हूँ। |
| 10. मैं आत्मा वरदात्री हूँ। | 25. मैं आत्मा पवित्रता का सूर्य हूँ। |
| 11. मैं आत्मा शान्ति देवा हूँ। | 26. मैं आत्मा मास्टर विश्व रक्षक हूँ। |
| 12. मैं आत्मा पवित्रता का अवतार हूँ। | 27. मैं आत्मा अशरीरी हूँ। |
| 13. मैं आत्मा प्रकृति को सतोप्रधान बनाने वाली हूँ। | 28. मैं आत्मा शान्ति का अवतार हूँ। |
| 14. मैं आत्मा विश्व कल्याणकारी हूँ। | 29. मैं आत्मा शान्ति देवा हूँ। |
| 15. मैं आत्मा अव्यक्त वतनवासी हूँ। | 30. मैं आत्मा मास्टर सर्व शक्तिमान हूँ। |
| | 31. मैं आत्मा ज्वालामुखी स्वरूप हूँ। |

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में निम्नलिखित पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है।
अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में जरूर से लिखें:

| | | |
|--|-------------------------|--------------------------|
| नाम: _____ | सेन्टर का नाम: _____ | DiDar No: _____ |
| गुड मॉर्निंग-90% | अमृतवेला-75% | |
| व्यायाम/पैदल-80% | ट्रैफिक कंट्रोल-90% | |
| मुरली क्लास-90% | नुमाशाम का योग-80% | |
| स्वमान की स्मृति-75% | अव्यक्त मुरली पढी? -80% | |
| मनसा सेवा -80% | गुड नाइट-95% | |
| चार्ट: OK या OK | | टीचर के हस्ताक्षर |
| मैं मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में जुड़ना चाहता हूँ। | | |

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com Website: www.bkyouth.org